

रजिस्टर्ड नं० ल०-३३/एस० एम० १४.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, २९ जनवरी, १९९०/९ माघ, १९११

हिमाचल प्रदेश सरकार

राजस्व विभाग

अधिसूचना

शिमला-२, १९ जनवरी, १९९०

संख्या रैव-डी(एफ) ७-१/९०.—“कुटलैहड़ जागीर फोरेस्ट” के नाम से ज्ञात क्षेत्र का प्रबन्ध, पंजाब रिजर्वेशन ग्राफ जागीरज ऐक्ट, १९५७ (१९५७ का पंजाब अधिनियम सं० ३९) की धारा २ की उप-धारा (१) के खण्ड (डी) के अधीन “जागीर” है;

और पूर्व पंजाब राज्य में, पंजाब रिज्यूशन आफ जागीरज ऐक्ट, 1957 की धारा 3 के अधीन 14-11-1957 से अर्थात् उस दिन को या से जिसको उक्त अधिनियम प्रवृत्त हुआ था, सभी जागीरें निर्वाचित हो चुकी हैं और सरकार द्वारा पुनः ग्रहण की जा चुकी हैं;

और उक्त वन जागीर का प्रबन्ध अभी तक भी कुटलैहड़ संपदा के भूतपूर्व राजा श्री मोहिन्दर पाल सुपुत्र श्री बृजमोहन पाल द्वारा किया जा रहा है;

अतः अब हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, प्रधान मुख्य अरण्यपाल, हिमाचल प्रदेश को ऊना जिला के कुलैक्टर की सहायता से उक्त श्री मोहिन्दर पाल, से "कुटलैहड़ जागीर फॉरेस्ट" का प्रबन्ध और कब्जा तुरन्त लेन का आदेश दते हैं।

आदेश द्वारा,
एम० एस० मुखर्जी
वितायुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department notification No. Rev.D (F)7-1/90, dated 19-1-90 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

REVENUE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th January, 1990

No Rev. D(F)7-1/90.—Whereas the management of areas known as "Kutlehar Jagir Forests" is a "Jagir" under clause (d) of sub-section (1) section 2 of the Punjab Resumption of Jagirs Act, 1957 (Punjab Act No. 39 of 1957);

And whereas all the Jagirs in the erstwhile State of Punjab stand extinguished and resumed by the State Government under section 3 of the Punjab Resumption of Jagirs Act, 1957 (Punjab Act No. 39 of 1957) w. e. f. 14-11-1957 i. e. the date on which or from which the said Act came into force;

And whereas the said forest Jagir is still being managed by Shri Mohinder Paul s/o Shri Brijmohan Paul ex-ruler of Kutlehar Eastate;

Now, therefore, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to direct the Principal Chief Conservator of Forests to take over the management and possession of the Kutlehar Jagir Forests, from the said Shri Mohinder Paul, with the assistance of the Collector, Una immediately.

By order,
M. S. MUKHERJEE,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

भाषा एवं संस्कृति विभाग

शुद्धि-पत्र

शिमला-2, 19 जनवरी, 1990

संख्या भाषा-डी (4)-4/89.—इस विभाग की सम संख्यक अधिसूचना तारीख 17-1-1990 में शब्द "धारा" के पश्चात् और शब्द "द्वारा" में पूर्व आये कोष्ठ और अंक "(4)" के स्थान पर "(1)" कोष्ठ और अंक पड़ा जाए।

आदेश द्वारा,
महाराज कृष्ण काव,
वित्तियुक्त एवं सचिव।

TECHNICAL EDUCATION, VOCATIONAL & INDUSTRIAL TRAINING DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Shimla-171002, the 20th January, 1990

No. 5-26/83-STV (TE).—In partial modification of this Department notification No. 5-26/83-STV (TE), dated 27-12-1989, the address of Shri L. S. Handa, Member of Takniki Shiksha Board appearing at Sr. No. 5 may now be read as "Shri L. S. Handa, Principal, Government Polytechnic, Sundernagar, Himachal Pradesh."

By order,
ATTAR SINGH,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला-2, 24 जनवरी, 1990

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0 (5) 46/76.—क्योंकि इस कार्यालय के समसंख्यक आदेश, दिनांक 31-3-1988 के अन्तर्गत उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक), अम्ब द्वारा की गई जांच, आरोप संख्या 2 के बारे में पंचायत द्वारा किए गए विकास कार्यों से सम्बन्धित प्रशासकीय तथा तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने के विषय में तथा आरोप संख्या 4 से सम्बन्धित 550/- रुपये की अग्रिम राशि की न्यायालय मामले की दरवी पर खर्च करने की बजाए कुंए की मुरम्मत पर लगभग डेढ़ साल बाद खर्च करने के विषय में अस्पष्ट है;

और क्योंकि उक्त दोनों आरोपों पर दोबारा जांच का करवाया जाना इसलिए जरूरी है ताकि ग्राम पंचायत प्रशास के आचरण के बारे में स्पष्ट स्थिति सामने आ जाए।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 5 (4) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिलाधीश, ऊना के कार्यालय आदेश संख्या 2499-2506, दिनांक 21-9-1989 को जांच समाप्त करने का सहर्ष आदेश देते हैं क्योंकि यह उनकी शक्तियों की परिधि में नहीं, वहां अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, ऊना को उपरोक्त अंकित दो आरोपों पर विस्तृत जांच करने का आदेश देते हैं जो अपनी जांच रिपोर्ट जिलाधीश, ऊना के माध्यम से शीघ्र इस कार्यालय को भेजेंगे।

हस्ताक्षरित/-
अवर सचिव।